ज्योतिष सारिणी

	Sample	Sample
जन्म दिन-	18 October 1978 (Wednesday)	21 June 1981 (Sunday)
जन्म समय-	11:00:00AM	11:21:00AM
जन्म स्थान-	New Delhi , INDIA	Ballia (up) , INDIA
रेखांश-	077:13:00E	084:10:00E
अक्षांश-	028:39:00N	025:45:00N
समयक्षेत्र-	-05:30:00 hrs	-05:30:00 hrs
समय संशोधन-	00:00:00 hrs	00:00:00 hrs
जीएमटी. समय-	05:30:00 hrs	05:51:00 hrs
स्थानीय समय संस्कार-	-00:21:08 hrs	00:06:40 hrs
स्थानीय समय-	10:38:52 hrs	11:27:40 hrs

लग्न :	वृश्चिक	सिहं
लग्नाधिपति :	मंगल	सूर्य
राशि (चन्द्रमा) :	मेष	मकर
राशिपति :	मंगल	शनि
नक्षत्र :	भरणी	श्रवण
नक्षत्रपति :	शुक्र	चन्द्रमा
नक्षत्र चरण :	4	3
पाया :	स्वर्ण	स्वर्ण
ऋतु :	शरद	ग्रीष्म
मास :	कार्तिक	आषाढ़
पक्ष :	कृष्ण	कृष्ण
तिथि :	तृतीया	चतुर्थी
तिथि श्रेणी :	जया	रिक्ता
तिथि पति :	मंगल	बुध
करण :	वनिज	बव
करण श्रेणी :	चर	चर
करणपति :	मनिभद्र	विष्णु
गण :	मनुष्य	देव
वर्ण :	क्षत्रिय	वैश्य
योनि :	हस्त (पु0)	वानर (स्त्री)
सूर्य सिद्धान्त योग :	सिद्धि	वैधृति
रज्जु :	कटि	कंठ
वश्य :	चतुश्पद	जलचर
तत्व :	पृथ्वी	वायु
तत्वाधिपति :	बुध	शनि
विहग :	भारधंक	कुक्कुट
नाड़ी :	मध्य	अन्त
नाड़ी पद :	मध्य	अन्त
वेध :	अनुराधा	आर्द्रा
आद्याक्षर :	ला	जा

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 / Sample DOB-21:06:1981 TOB-11:21:00

ग्रह स्थिति

Sample						Sample					
ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र			ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र		
लग्न	वृश्चिक	29:32:28	ज्येष्ठा (४)	–	–	लग्न	सिहं	28:31:38	उत्तराफल्गुनी (१)	–	–
सूर्य	तुला	00:55:32	चित्रा (३)	नीच0	शु0ग्र0	सूर्य	मिथुन	06:10:17	मृगशिर (४)		शु0ग्र0
चन्द्रमा	मेष	25:20:31	भरणी (४)	मि0ग्र0	–	चन्द्रमा	मकर	17:36:57	श्रवण (३)		बु0ग्रह
मंगल	तुला	25:54:52	विशाखा (२)	त0ग्र0	शु0ग्र0	मंगल	वृष	17:44:13	रोहिणी (३)		–
बुध	तुला	12:44:41	स्वाती (२)	मि0ग्र0	शु0ग्र0	बुध व0	मिथुन	07:23:26	आर्द्रा (१)	व0	ज्व0
गुरू	कर्क	13:11:00	पुष्य (३)	त0ग्र0	–	गुरू	कन्या	07:43:55	उत्तराफल्गुनी (४)		बु0ग्रह
शुक्र व0	तुला	29:14:43	विशाखा (३)	स0	शु0ग्र0	शुक्र	मिथुन	25:55:24	पुनर्वसु (२)		शु0ग्र0
शनि	सिहं	16:32:48	पूर्वाफल्गुनी (१)	श0ग्र0	–	शनि	कन्या	09:37:17	उत्तराफल्गुनी (४)		शु0ग्र0
राहु व0	कन्या	01:37:30	उत्तराफल्गुनी (२)	त0ग्र0	–	राहु व0	कर्क	09:51:04	पुष्य (२)	व0	–
केतु व0	मीन	01:37:30	पूर्वाभाद्रपद (४)	त0ग्र0	–	केतु व0	मकर	09:51:04	उत्तराषाढ़ (४)	व0	बु0ग्रह
हर्षल	तुला	21:47:39	विशाखा (१)	–	शु0ग्र0	हर्षल व0	वृश्चिक	03:13:57	विशाखा (४)	व0	–
नेपच्यून	वृश्चिक	22:40:43	ज्येष्ठा (२)	–	–	नेपच्यून व0	वृश्चिक	29:42:43	ज्येष्ठा (४)	व0	–
प्लूटो	कन्या	23:21:11	चित्रा (१)	–	ज्व0	प्लूटो व0	कन्या	27:58:13	चित्रा (२)	व0	शु0ग्र0

Sample

लग्न कुण्डली

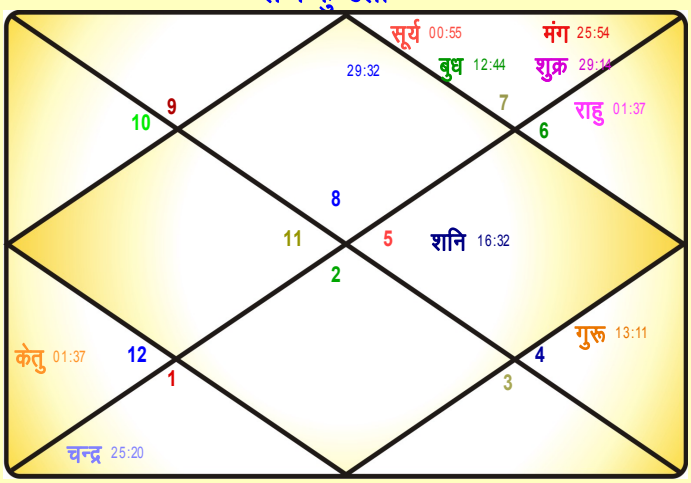

नवांश कुण्डली

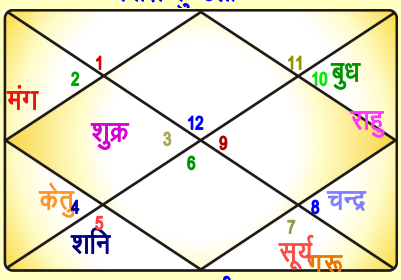

चन्द्र कुण्डली

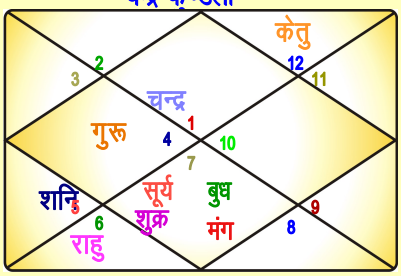

नवांश कुण्डली

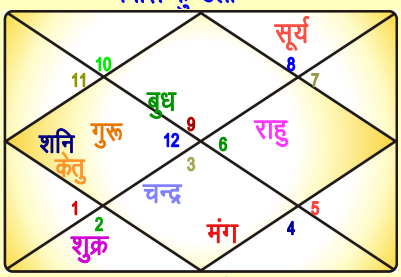

चन्द्र कुण्डली

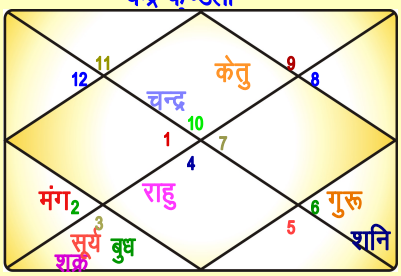

Sample

लग्न कण्डली

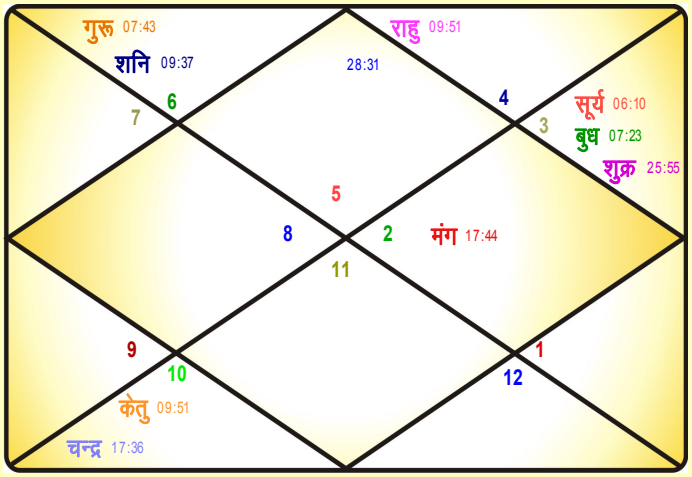

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

विवाह मेलापक सारिणी
(अष्टकूट सिद्धान्त के अनुसार)

क्र0स0	विवरण	Sample	Sample	पूर्णांक	प्राप्ताकं	अभिप्राय
1	वर्ण कूट	क्षत्रिय	वैश्य	1	1	दैविय विकास
2	वश्य कूट	चतुश्पद	जलचर	2	2	प्राकृतिक सामजंस्य
3	तारा कूट	मित्र	विपत	3	1.5	सम्बन्ध का स्थायित्व
4	योनि कूट	हस्त (पु0)	वानर (स्त्री)	4	3	प्रत्यक्ष गुण
5	ग्रह–मैत्री कूट	मंगल	शनि	5	0.5	मानसिक प्रकृति
6	गण कूट	मनुष्य	देव	6	5	विवाह सम्बन्धि अनुरूपता
7	राशि कूट	मेष	मकर	7	7	आपसी तालमेल
8	नाड़ी कूट	मध्य	अन्त	8	8	मानसिक मानक
योग				36	28	77.8%

दाम्पत्य सम्बन्धित अन्य विचार

क्र0स0	विवरण	परिणाम
1	नाड़ी–पद कूट	चुकि नाड़ी कूट समझौता भावी दम्पति के कुण्डलियों में उपस्थित है, इसलिए नाड़ी–पद समझौता पर ध्यान देना जरूरी नही है।
2	महेन्द्र कूट	भावी दम्पति के कुण्डलियों में महेन्द्र कूट समझौता उपस्थित नही है।
3	स्त्री दीर्घ कूट	भावी दम्पति के कुण्डलियों मे स्त्रीदीर्घ कूट समझौता उपस्थित है। यह अच्छे वैवाहिक एकरूपता और विवाह सम्बन्धी अनुरूपता का सूचक है।
4	रज्जु कूट	भावी दम्पति के कुण्डलियों में रज्जु कूट समझौता उपस्थित है वे किसी भी परेशानी से मुक्त है और वे बहुत सारी खुशियॉ पायेगें ।
5	वेध कूट	चूकि वर और बधु के चन्द्रमा के नक्षत्र परस्पर वेध सम्बन्ध नही स्थापित करतें है, वे एक दूसरे को अच्छी तरह से समझेगें और किसी तरह का आपसी वैमनस्य होने की सभांवना कम ही है ।
6	समान जन्म राशि	वर और वधु के चन्द्रमा के राशि एक समान नही है, इसलिए समान जन्म राशि का प्रश्न ही नही है।
7	समान जन्म नक्षत्र	वर और वधु के नक्षत्र एक समान नही है।
8	समान जन्म नक्षत्र–पद	चूकि वर–वधु के चन्द्रमा का नक्षत्र एक समान नही है इसलिए नक्षत्र पद को देखने की जरूरत नहीं और इस विवाह की अनुमति है।

सुक्ष्मग्राही बिन्दु

Sample		Sample	
बीज–स्फुट(१)	133:21:15	क्षेत्र–स्फुट(१)	133:05:05
बीज–स्फुट(२)	220:59:18	क्षेत्र–स्फुट(२)	326:52:12
बीज–स्फुट(३)	000:33:54	क्षेत्र–स्फुट(३)	353:17:17
शुभ लक्षण	80 %	शुभ लक्षण	52 %

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

विवाह मेलापक सारिणी

(द्वादशकूट सिद्धान्त के अनुसार)

क्र0स0	विवरण	पूर्णांक	प्राप्ताकं	अभिप्राय
1	दीन कूट	3	3	सम्बन्ध का स्थायित्व
2	गण कूट	6	5	मानसिक प्रकृति
3	योनि कूट	4	3	प्रत्यक्ष गुण
4	राशि कूट	7	7	आपसी तालमेल
5	ग्रह–मैत्री कूट	2	2	विवाह सम्बन्धि अनुरूपता
6	रज्जु कूट	7	7	वैवाहिक जीवन की समय सीमा
7	वेध कूट	3	3	मतभेद की संभावना
8	वश्य कूट	2	2	प्राकृतिक सामजंस्य
5	महेन्द्र कूट	4	0	उन्नति और समृद्धि
6	स्त्री दीर्घ कूट	3	3	पारस्परिक आकर्षण
7	नाड़ी कूट	8	8	मानसिक मानक
8	वर्ण कूट	1	1	दैविय विकास
योग		50	44	

सुक्ष्मग्राही बिन्दु

Sample		Sample	
बीज–स्फुट(१)	133:21:15	क्षेत्र–स्फुट(१)	133:05:05
बीज–स्फुट(२)	220:59:18	क्षेत्र–स्फुट(२)	326:52:12
बीज–स्फुट(३)	000:33:54	क्षेत्र–स्फुट(३)	353:17:17
शुभ लक्षण	80 %	शुभ लक्षण	52 %

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

दोष साम्य

इस वर्ग में, संभावित युग्म की विचाराधीन दोनों कुण्डलियों में से प्रत्येक में, अलग-अलग अशुभ ग्रहों (मंगल, राहु, शनि, सूर्य और केतु) की संवेदनशील भावों में स्थिति के कारण दोष की सम्पूर्ण सीमा का निर्धारण होगा। अशुभ प्रभावों को मिलने वाली रेटिंग कुछ हद तक अनिश्चित हो सकती है, लेकिन दोनों कुण्डलियों (लड़के और लड़की की) में अशुभ प्रभावों की गणना समान रेटिंग से की गयी है। दो कुण्डलियों के बीच तुलना करने के उद्देश्य के लिये, इसके संतोषजनक रूप से काम करने की आशा की जा सकती है। सैद्धान्तिक रूप से, लड़की की कुण्डली में यदि दोष की कुल सीमा लड़के की कुण्डली से कम है, तो वैवाहिक जीवन में खुशियों और विशेषकर उसकी एक लम्बी अवधि की आशा की जा सकती है।

सभी दोषों में, मंगल (जब किसी विशेष संवेदनशील स्थिति में हो) के दोषों को सबसे बुरा माना जाता है। यहाँ पर मांगलिक दोष (या कुज दोष) का अध्ययन अलग शीर्षक में किया जायेगा और यदि यह दोष उपस्थित है, तो इस दोष के निस्तारण के लिये मौजूद परिस्थितियों पर विचार किया जायेगा।

आगे यह बात ध्यान देने योग्य है, कि दोष-बिन्दुओं के संबंध में दो भिन्न विचार हैं, अतः चयनित विधि के अनुसार थोड़े भिन्न परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

उत्तर भारतीय पद्धति के अनुसार, दोष-बिन्दु हैं- लग्न, चौथा, सातवाँ, आठवाँ और बारहवाँ भाव। (इस विधि में, लग्न से दूसरे भाव को दोष-बिन्दु नहीं माना जाता है।)

दक्षिण भारतीय पद्धति के अनुसार, दोष-बिन्दु हैं- दूसरा, चौथा, सातवाँ, आठवाँ और बारहवाँ भाव। (इस विधि में, लग्न को दोष-बिन्दु नहीं माना जाता है।)

Sample					
पाप ग्रह		लग्न से	चन्द्रमा से	शुक्र से	योग
♂	मंगल	07.00	10.80	09.80	27.60
☊	राहु	00.00	00.00	08.40	08.40
♄	शनि	00.00	00.00	00.00	00.00
☉	सूर्य	04.00	07.20	05.60	16.80
☋	केतु	00.00	03.60	00.00	03.60

Sample					
पाप ग्रह		लग्न से	चन्द्रमा से	शुक्र से	योग
♂	मंगल	00.00	00.00	09.80	09.80
☊	राहु	06.00	09.60	00.00	15.60
♄	शनि	00.00	00.00	08.40	08.40
☉	सूर्य	00.00	00.00	05.60	05.60
☋	केतु	00.00	03.60	08.40	12.00

लड़के की कुण्डली में अशुभ प्रभावों का कुल योग- ५६.४० है और लड़की की कुण्डली में अशुभ प्रभावों का योग- ५१.४० है। लड़के की कुण्डली में अशुभ प्रभावों का कुल योग लड़की की कुण्डली से अधिक है। सैद्धान्तिक रूप से, लड़की की कुण्डली में यदि दोष की कुल सीमा लड़के की कुण्डली से कम है, तो वैवाहिक जीवन में खुशियों और विशेषकर उसकी एक लम्बी अवधि की आशा की जा सकती है। हालाँकि, यदि अन्तर बड़ा है, तो कृपया इस बात पर विचार करें कि क्या लड़की का विवाह किसी अन्य ऐसे लड़के के साथ किया जा सकता है, जिसके साथ अन्तर बड़ा नहीं होगा।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

ग्रहों से अष्टकुट गुण मिलान

लग्न से				
कूट	Sample	Sample	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1
वश्य	कीट	चतुश्पद	2	2
तारा	निधन	खेष्म	3	1.5
योनि	मूषक (स्त्री)	मेष (पु0)	4	3
ग्रह–मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0
राशि	वृश्चिक	सिहं	7	7
नाडी	आदि	आदि	8	0
योग			36	19.5

सूर्य से				
कूट	Sample	Sample	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	शुद्र	शुद्र	1	1
वश्य	द्विपद	द्विपद	2	2
तारा	जन्म	जन्म	3	3
योनि	मूषक (पु0)	सर्प (पु0)	4	2
ग्रह–मैत्री	शुक्र	बुध	5	5
गण	राक्षस	देव	6	1
राशि	तुला	मिथुन	7	0
नाडी	मध्य	मध्य	8	0
योग			36	14

चन्द्रमा से				
कूट	Sample	Sample	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1
वश्य	चतुश्पद	जलचर	2	2
तारा	मित्र	विपत	3	1.5
योनि	हस्त (पु0)	गौ (पु0)	4	3
ग्रह–मैत्री	मंगल	शनि	5	0.5
गण	मनुष्य	देव	6	5
राशि	मेष	मकर	7	7
नाडी	मध्य	अन्त	8	8
योग			36	28

मंगल से				
कूट	Sample	Sample	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	शुद्र	वैश्य	1	0
वश्य	द्विपद	चतुश्पद	2	0.5
तारा	खेष्म	निधन	3	1.5
योनि	मूषक (पु0)	सर्प (पु0)	4	2
ग्रह–मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0
राशि	तुला	वृष	7	0
नाडी	अन्त	अन्त	8	0
योग			36	9

बुध से				
कूट	Sample	Sample	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	शुद्र	शुद्र	1	1
वश्य	द्विपद	द्विपद	2	2
तारा	जन्म	जन्म	3	3
योनि	बिल्ली (पु0)	सर्प (स्त्री)	4	2
ग्रह–मैत्री	शुक्र	बुध	5	5
गण	देव	मनुष्य	6	6
राशि	तुला	मिथुन	7	0
नाडी	अन्त	आदि	8	8
योग			36	27

गुरू से				
कूट	Sample	Sample	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1
वश्य	जलचर	द्विपद	2	0.5
तारा	साधक	प्रत्यरी	3	1.5
योनि	मेष (स्त्री)	मेष (पु0)	4	3
ग्रह–मैत्री	चन्द्रमा	बुध	5	1
गण	देव	मनुष्य	6	6
राशि	कर्क	कन्या	7	7
नाडी	मध्य	आदि	8	8
योग			36	28

शुक्र से				
कूट	Sample	Sample	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	शुद्र	शुद्र	1	1
वश्य	द्विपद	द्विपद	2	2
तारा	जन्म	जन्म	3	3
योनि	मूषक (पु0)	श्वान (स्त्री)	4	1
ग्रह–मैत्री	शुक्र	बुध	5	5
गण	राक्षस	देव	6	1
राशि	तुला	मिथुन	7	0
नाडी	अन्त	आदि	8	8
योग			36	21

शनि से				
कूट	Sample	Sample	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1
वश्य	चतुश्पद	द्विपद	2	0.5
तारा	अति मित्र	सम्पत	3	3
योनि	बिल्ली (स्त्री)	मेष (पु0)	4	2
ग्रह–मैत्री	सूर्य	बुध	5	4
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6
राशि	सिहं	कन्या	7	0
नाडी	मध्य	आदि	8	8
योग			36	24.5

राहु से				
कूट	Sample	Sample	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0
वश्य	द्विपद	जलचर	2	0.5
तारा	प्रत्यरी	साधक	3	1.5
योनि	मेष (पु0)	मेष (स्त्री)	4	3
ग्रह–मैत्री	बुध	चन्द्रमा	5	1
गण	मनुष्य	देव	6	5
राशि	कन्या	कर्क	7	7
नाडी	आदि	मध्य	8	8
योग			36	26

केतु से				
कूट	Sample	Sample	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1
वश्य	जलचर	जलचर	2	2
तारा	प्रत्यरी	साधक	3	1.5
योनि	ब्याघ्र (स्त्री)	महिष (स्त्री)	4	2
ग्रह–मैत्री	गुरू	शनि	5	3
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6
राशि	मीन	मकर	7	7
नाडी	आदि	अन्त	8	8
योग			36	30.5

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

कुज दोष (या मांगलिक दोष) की उपस्थिति की जाँच

लड़के की कुण्डली में, मंगल लग्न से १२वीं राशि में स्थित है। यह कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण करता है। अगले भाग में इस बात की जाँच की जायेगी, कि इस कुण्डली में इस दोष को निरस्त करने की कोई दशा भी विद्यामान है, या नहीं।

लड़के की कुण्डली में, मंगल चन्द्र राशि से ७वीं राशि में स्थित है। यह कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण करता है। अगले भाग में इस बात की जाँच की जायेगी, कि इस कुण्डली में इस दोष को निरस्त करने की कोई दशा भी विद्यामान है, या नहीं।

लड़के की कुण्डली में, मंगल शुक्र राशि में स्थित है। उत्तर भारतीय पद्धति के अनुसार, यह कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण करता है। अगले भाग में इस बात की जाँच की जायेगी, कि इस कुण्डली में इस दोष को निरस्त करने की कोई दशा भी विद्यामान है, या नहीं। हालाँकि, दक्षिण भारतीय पद्धति के अनुसार, मंगल की शुक्र राशि में उपस्थिति कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण नहीं करती है।

लड़की की कुण्डली में, मंगल शुक्र राशि से १२वीं राशि में स्थित है। यह कुज दोष (या मांगलिक दोष)का निर्माण करता है। अगले भाग में इस बात की जाँच की जायेगी, कि इस कुण्डली में इस दोष को निरस्त करने की कोई दशा भी विद्यामान है, या नहीं।

कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निस्तारण

लड़के की कुण्डली में, मंगल लग्न राशि से १२वें भाव में स्थित है। यह आभासी रूप से कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण करता है। लेकिन, चूँकि मंगल शुक्र की राशि में स्थित है, अत: यह एक अपवाद है - जैसाकि यह दोष स्वत: समाप्त हो जाता है। लड़के की कुण्डली में कुज दोष तकनीकि रूप से अनुपस्थित माना जायेगा।

लड़की की कुण्डली में, मंगल लग्न राशि से १२वें भाव में स्थित है। दक्षिण भारतीय पद्धति के अनुसार, यह आभासी रूप से कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण करता है। लेकिन, चूँकि यह शुक्र की राशिमें स्थित है, अत: यह एक अपवाद है - जैसाकि यह दोष स्वत: समाप्त हो जाता है। लड़की की कुण्डली में कुज दोष तकनीकि रूप से अनुपस्थित माना जायेगा।

लड़के की कुण्डली में, मंगल चर राशि में स्थित है। कुछ लोगों के अनुसार यह एक अपवाद है, जहाँ पर कुज दोष को जाँचने की कोई आवश्यकता ही नहीं है। लड़का मांगलिक दोष से मुक्तहै - वह मंगली नहींहै। (हालाँकि इस राय को बहुमत नहीं प्राप्त है।)

लड़का और लड़की दोनों की कुण्डलियों में कुज दोष (या मांगलिक दोष) आभासी रूप से उपस्थित है (उत्तर भारतीय पद्धति के अनुसार)। लेकिन प्रत्येक मामले में, कुछ निश्चित परिस्थितियों की उपस्थिति के कारण, दोष निरस्त हो जाता है। अत: इस दोष के निस्तारण का प्रश्न ही नहीं उठता है। अत: तकनीकि

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

रूप से लड़का और लडकी मंगली नहीं हैं। अत: इस आधार पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती है। यदि अन्य कारक अनुकूल होते हैं, तो ये दोनों विवाह कर सकते हैं।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

चारों नुकसानदायक नक्षत्रों में जन्म की जाँच

२७ नक्षत्रों में से , केवल ४ नक्षत्रों (अश्लेषा, विशाखा, ज्येष्ठा और मूला) को विनाशकारी नक्षत्र मानागया है- जैसाकि इनमें से प्रत्येक नक्षत्र कुछ प्रतिकूल प्रभाव देने वाला समझा जाता है, और जीवन साथी के एक निश्चित संबंधी के स्वास्थ्य तथा सुख को प्रभावित करता है। यदि लड़की का चन्द्रमा इन चारों में से किसी एक नक्षत्र में स्थित है, तो यह प्रभाव अधिक भयप्रद है। यदि लड़के का चन्द्रमा इन चारों में से किसी एक नक्षत्र में स्थित है, तो भी समान प्रभाव पड़ता है। हालाँकि, यह बात ध्यान में रखनी चाहिये, कि विषम परिणाम इन चारों में से किसी एक नक्षत्र के, केवल एक विशेष चरण में ही प्राप्त होते हैं, शेष अन्य तीन चरणों में नहीं। अश्लेषा का प्रथम चरण, विशाखा का प्रथम चरण, ज्येष्ठा का प्रथम चरण और मूला का चौथा चरण अशुभ माना जाता है- जबकि इन चारों में से प्रत्येक नक्षत्र के शेष तीन अन्य चरण अशुभ नहीं होते हैं(कम से कम इस संबंध में)

विहग, तत्व, वध-विनाशक और सम-गोत्र दोष की जाँच

चन्द्रमा के नक्षत्र के विहग वर्गीकरण के अनुसार, लड़के की श्रेणी पिंगला है, लड़की का चन्द्रमा नक्षत्र भीउसी श्रेणी से संबंधित है। यह एक अनुकूल युति है - जैसाकि समान विहाग श्रेणी वाले युग्म की पसन्द / नापसन्द, अभिलाषाओं आदि के संबंध में बहुत समानतायें होती हैं। अत:, इस युग्म की कुण्डलियों में इस संबंध में गुण मिलान विद्यमान है----(इस गुण मिलान का वर्णन विहग - अनुकूल्या के रूप में सोमायाजी के प्राचीन शास्त्र जातकदेश मार्ग में किया गया है।)

चन्द्रमा के नक्षत्र के तत्व वर्गीकरण के अनुसार, लड़का पृथ्वी श्रेणी से संबंधित है, तथा लड़की के चन्द्रमा का नक्षत्र वायु श्रेणी से संबंधित है। यह एक अनुकूल युति है - जैसाकि परस्पर अनुरूप तत्व श्रेणियों वाले युग्म की आन्तरिक प्रकृति के संबंध में बहुत समानतायें होगीं। अत: इस युग्म की कुण्डलियों में इस संबंध में गुण मिलान विद्यमान है।

लड़के और लड़की की जन्मकुण्डलियों में चन्द्रमा की स्थिति की तुलना करने के दौरान लड़की के चन्द्रमा का नक्षत्र लड़के के चन्द्रमा के नक्षत्र से गिनने पर २२वाँ नक्षत्र नहीं है, और ना ही लड़के के चन्द्रमा का नक्षत्र लड़की के चन्द्रमा के नक्षत्र से गिनने पर २२वाँ नक्षत्र है। अत: वध - वैनाशिक दोष कीप्रतिकूल युति इन दोनों कुण्डलियों में विद्यमान नहीं है। इसलिये, यदि इस युग्म का मिलान एक साथहोता है, तो उसमें कोई समस्या नहीं है।

दोनों जन्मकुण्डलियों के मिलान करने के दौरान, यह दिखता जाता है, कि २८ नक्षत्र पद्धति (अभिजीत सहित) के अनुसार, लड़के के चन्द्रमा का नक्षत्र मारिच श्रेणी में आता है। लड़की के नक्षत्र का गोत्र भी उसी श्रेणी में स्थित है। जैसाकि ये दोनों एक ही श्रेणी से संबंधित है, इसे अशुभ माना जाता है। इस मिलान को टाल देना चाहिये -अन्यथा संतान का बौद्धिक स्तर और आध्यात्मिक रूझान ऊँची कोटि का नहीं हो सकता है।

४ नक्षत्र - मृगशिरा (५), मघा (१०), स्वाती (१५) और अनुराधा (१७) विशेष नक्षत्रों की श्रेणी में

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

आते हैं। यदि लड़के या लड़की के चन्द्रमा का नक्षत्र इनमें से कोई है, तो मिलान स्वीकार्य हो सकता है – यद्यपि कूट मिलान का कुल जोड़ अनुकूलतम योग से कम हो। यह काल विधान, मुहुर्त पर एक लेख (चुनाव ज़्योतिष) के अनुसार है।

दोनों कुण्डलियों (लड़के और लड़की दोनों की) में चन्द्रमा का नक्षत्र चार विशेष (महा) नक्षत्रों (मृगशिरा मघा , स्वाती तथा अनुराधा) में से एक भी नहीं है। अत: इस आधार पर इस विशेष मामले में किसी विशेष विचार का प्रश्न नहीं उठता है।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

वर-वधु की कुण्डली में वैवाहिक सामंजस्य की जांच-अष्ट-कुट मिलान से

वर्ण कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

लड़के का वर्ण क्षत्रिय है और लड़की का वर्ण वैश्य है। चूँकि लड़के का वर्ण ऊँची श्रेणी का है अत: यहअनुकूल है, और इस कारण से वैवाहिक अनुकूलता विद्यमान है। इस गणना के अनुसार कूट मिलान का प्राप्तांक १ (पूर्णांक - १) है।

वश्य कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

लड़के का वश्य चतुष्पद है और लड़की का वश्य जलचर समूह का है। यह बहुत अनुकूल है, और इस कारण से वैवाहिक अनुकूलता विद्यमान है। इस गणना के अनुसार कूट मिलान का प्राप्तांक २ (पूर्णांक - २) है।

तारा कुट (दिन कुट) सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

लड़की के जन्म नक्षत्र से लड़के के जन्म नक्षत्र तक गणना करने पर ८ संख्या प्राप्त होती है। ९ से विभाजित करने पर इसमें ८ शेष बचता है, जो अनुकूल है। लड़के के जन्म नक्षत्र से लड़की के जन्म नक्षत्र तक गणना करने पर २१ संख्या प्राप्त होती है। ९ से विभाजित करने पर इसमें ३ शेष बचता है, जो अनुकूल है। अत:, दिन (तारा) कूट से इस कुण्डली में वैवाहिक अनुकूलता उपस्थित है। इस गणना केअनुसार कूट मिलान का प्राप्तांक ३ (पूर्णांक - २) है।

योनि कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

वर का नक्षत्र गज (पु0) श्रेणी का है, जबकि वधू का नक्षत्र वानर (स्त्री) श्रेणी का है। योनि-कूट मिलानके अनुसार, इस जोड़ी के लिए, ३ गुण का योगदान है।

ग्रह-मैत्रि सामंजस्य कुट की उपस्थिति की जांच -

लड़के का जन्म राशिपति मंगल है, और लड़की का जन्म राशिपति शनि है। नैसर्गिक संबंध के अनुसार, ये दोनों अधिपति ग्रह परस्पर सम हैं। यह एक बहुत अनुकूल युति है, जैसाकि यह विशेष कूट युग्म के मनोवैज्ञानिक स्वभावों को दर्शाता है। युग्म की मानसिक विशेषतायें बहुत अनुकूल होगीं, और उन दोनोंमें एक दूसरे से काफी लगाव होगा, जोकि वैवाहिक जीवन में खुशियों के लिये एक महत्वपूर्ण कारकहै। इस कारण से कूट मिलान संख्या में 0 अंकों (पूर्णांक - ५) का योगदान होगा।

गण कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

लड़के का नक्षत्र नर गण श्रेणी में है जबकि लड़की का नक्षत्र देव गण श्रेणी में स्थित है। लड़की का संबंध एक ऊँचे या कुलीन वर्ग से होगा, यह एक अनुकूल युति है, जैसा की गण व्यक्तिके मिजाज और रूझान को व्यक्तकरता है। लड़की परिपक्व दृष्टिकोण और धैर्यवान प्रकृति की होगी। वह कुछ अति वांछित गुणों से पूर्ण होगी। जबकि लड़के में सामान्य मानवीय दुर्बलतायें हो सकती हैं। इस गणना के अनुसार कूट मिलान की का प्राप्तांक ५ (पूर्णांक - ६) है।

राशि कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

लड़के की जन्म राशि मेष है, जबकि लड़की की जन्म राशि मकर है। राशि कूट मिलान का प्राप्तांक ७ है।

नाड़ी कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

वर की नाड़ी मध्य श्रेणी का है, जबकि वधू की नाड़ी अन्त श्रेणी का है। जैसा कि वर और वधू की नाड़ीसमान श्रेणी की नही है, संकेत लाभदायक हैं। दोनों को विवाह की सलाह दी जा सकती है। कूट-मिलान का कुल योग १८ से कम नही है। इस हिसाब से योगदान ८ गुण का है।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

दोनों कुण्डलीयों में परस्पर संबंध – मित्रता या शत्रुता

चूँकि संभावित जोड़े की जन्म कुण्डलियों में लग्न क्रमश: परस्पर प्रतिकूल केन्द्रीय भावों में हैं। संभवत:निजी हितों के परस्पर टकराव के कारण, आप दोनों एक दूसरे के प्रति बैर भाव रख सकते हैं, आपके विचारों में मतभेद हो सकता है। आप दोनों एक उत्तम समझ विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आप दोनों की कुण्डलियों में उपस्थित नहीं हैं, और आपके बीच एक रिश्ता बनता है, तो यह दीर्घकालिक नहीं हो सकता है।

चूँकि संभावित जोड़े की जन्म कुण्डलियों में चन्द्र राशियाँ क्रमश: परस्पर प्रतिकूल केन्द्रीय भावों में हैं। संभवत: निजी हितों के परस्पर टकराव के कारण , आप दोनों एक दूसरे के प्रति बैर भाव रख सकते हैं, आपके बीच में वैचारिक मतभेद हो सकते है। आप एक उत्तम समझ विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आप दोनों की कुण्डलियों में उपस्थित नहीं हैं, और आपके बीच एक रिश्ता बनता है, तो यह दीर्घकालिक रिश्ता नहीं हो सकता है।

दोनों जन्म कुण्डलियों (संभावित जोड़े की) में से एक जन्म कुण्डली में चन्द्रमा उस केन्द्रीय राशि में स्थित है, जिसमें सूर्य दूसरी जन्मकुण्डली में स्थित है। आप दोनों एक दूसरे के प्रति बहुत अधिक बैर भाव रख सकते हैं। अपने परिचिय के साथ से बहुत शीघ्र आपको किसी प्रकार की गलतफहमी हो सकतीहै, और आपके संबंध कटु हो सकते हैं। आप एक दूसरे से संयोग से मिल या परिचित हो सकते हैं, और संबंधों में बहुत अचानक और अप्रत्याशितरूप से दरार पड़ सकती है। कुछ विवादों या झगड़ों के कारण, आपमें एक दूसरे के लिये सम्मान की भावना बिल्कुल समाप्त हो सकती है, और एक दूसरे कीमौजूदगी आपको असहनीय और अरूचिकर महसूस हो सकती है।

दोनों जन्म कुण्डलियों(संभावित जोड़े की) में से एक जन्म कुण्डली में चन्द्रमा उस केन्द्रीय राशि में स्थित है, जिसमें सूर्य दूसरी जन्मकुण्डली में स्थित है। आप दोनों एक दूसरे के प्रति बहुत अधिक बैर भाव रख सकते हैं। अपने परिचिय के साथ से बहुत शीघ्र आपको किसी प्रकार की गलतफहमी हो सकतीहै, और आपके संबंध कटु हो सकते हैं। आप एक दूसरे से संयोग से मिल या परिचित हो सकते हैं, और संबंधों में बहुत अचानक और अप्रत्याशित रूप से दरार पड़ सकती है। कुछ विवादों या झगड़ों के कारण, आपमें एक दूसरे के लिये सम्मान की भावना बिल्कुल समाप्त हो सकती है, और एक दूसरे कीमौजूदगी आपको असहनीय और अरूचिकर महसूस हो सकती है।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058